आठ साल से नहीं मिला किसानों का हक

नहीं हुए मंडी समिति के चुनाव

नवभारत न्यूज

सतना, 6 जुलाई. सतना की सभी कृषि उपज मंडियों में लोकतांत्रिक व्यवस्था पिछले आठ वर्षों से ठप पड़ी है। किसानों के हितों की रक्षा और उनकी समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने के लिए गठित कृषि उपज मंडी समितियों का कार्यकाल समाप्त होने के बाद से अब तक नए चुनाव नहीं कराए गए हैं।

नतीजतन मंडियों का संचालन निर्वाचित किसान प्रतिनिधियों के बजाय व्यापारी जैसे चाहते है वैसे ही चलाते है मंडी के अधिकारी कठपुतली की तरह नाचते है। किसानों के हितों की रक्षा और कृषि उपज मंडियों के संचालन में उनकी

भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से गठित कृषि उपज मंडी समिति पिछले करीब आठ वर्षों से बिना निर्वाचित प्रतिनिधियों के संचालित हो रही है। समिति का कार्यकाल समाप्त होने के बाद अब तक चुनाव नहीं कराए गए हैं, जिससे किसानों का प्रतिनिधित्व समाप्त हो गया है। वर्तमान में मंडी का संचालन प्रशासनिक व्यवस्था के माध्यम से हो रहा है, जबकि समिति का मूल उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाना, पारदर्शी नीलामी व्यवस्था सुनिश्चित करना, सही तौल, समय पर भुगतान, मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता और किसानों की शिकायतों का निराकरण करना है। किसानों के पास निर्वाचित समिति के अभाव में उनकी समस्याओं और मांगों को प्रभावी ढंग से रखने वाला कोई मंच नहीं बचा है, जिससे मंडी व्यवस्था में उनकी भागीदारी भी सीमित होकर रह गई है। कृषि उपज मंडी समिति के आखिरी चुनाव वर्ष 2012 में हुए थे। निर्वाचित समिति का कार्यकाल वर्ष 2018 में समाप्त हो गया, लेकिन उसके बाद से अब तक नए चुनाव नहीं कराए गए हैं।

निर्वाचित किसान प्रतिनिधियों के अभाव में मंडियों की व्यवस्था व्यापारियों के प्रभाव में संचालित होती हैं। प्रशासनिक अधिकारी भी प्रभावी हस्तक्षेप नहीं कर पा रहे हैं, जिससे निर्णय प्रक्रिया में किसानों की भागीदारी लगभग समाप्त हो गई है। मंडी में उपज बेचने आने वाले किसानों की समस्याएं सुनने और उनके हितों की पैरवी करने वाला कोई निर्वाचित प्रतिनिधि नहीं होने से उनके अधिकार लगातार प्रभावित हो रहे हैं।

यह मामला शासन ही तय करेगा : करुणेश

मंडी सचिव करुणेश तिवारी ने बताया कि कृषि उपज मंडी समिति का कार्यकाल वर्ष 2018 में समाप्त हो चुका है। नए चुनाव कब कराए जाएंगे, इसकी कोई आधिकारिक जानकारी फिलहाल मंडी प्रशासन के पास नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि यह निर्णय शासन पर निर्भर करता है कि कब चुनाव होंगे और कब नहीं.

गुजरात की कृष्णा सवा करोड़ में पिला रही है गंदा पानी

फिल्टर प्लांट का जिम्मा निजी हाथों में

नवभारत न्यूज

सतना, 6 जुलाई. शहर में पिछले एक सप्ताह से हो रही गंदे और बदबूदार पानी की सप्लाई ने नगर निगम और ठेका कंपनी की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं.

शहरवासियों को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से गुजरात की कृष्णा कंस्ट्रक्शन कंपनी को 6 करोड़ 87 लाख रुपये का भारी-भरकम ठेका दिया गया था. पांच साल की अवधि के इस ठेके को अभी महज 9 महीने ही बीते हैं और कंपनी के दावों की पूरी पोल खुल चुकी है. करोड़ों रुपये पानी की तरह बहाने के बाद भी जनता को बीमारियों की गर्त में धकेलने वाला दूषित पानी सप्लाई किया जा रहा है. विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, वाटर फिल्टर प्लांट में आने वाले कच्चे पानी का टीडीएस लगभग 580 से 600 के बीच रहता है. नियमों और मानकों के मुताबिक, इसे सही तरीके से प्रोसेस करके 250 से 300 टीडीएस पर लाकर ही शहर में सप्लाई किया जाना चाहिए. इसके बावजूद शहर की पाइपलाइनों से घरों तक पहुँच रहा पानी न तो साफ है और न ही पीने के योग्य. हालांकि वर्तमान में पानी को शुद्ध करने के लिए फिल्टर प्लांट में 50 पीपीएम एलम और 5 पीपीएम क्लोरीन का उपयोग करने का दावा किया जा रहा है, लेकिन यह प्लांट पानी को पूरी तरह साफ करने में नाकाम साबित हो रहा है. वहीं, फ़िल्टर प्लांट के पानी का पीएच मान फिलहाल 7 से 8 के बीच बना हुआ है.

विशेषज्ञों और विभागीय जानकारों का मानना है कि वाटर फिल्टर प्लांट में पानी को पूरी तरह शुद्ध और पीने योग्य बनाने के लिए कच्चे पानी की नियमित रूप से लैब टेस्टिंग की जानी चाहिए, ताकि पानी में मौजूद गंदगी के आधार पर रसायनों का सही और सटीक अनुपात तय किया जा सके. प्लांट में आने वाले बदबूदार और दूषित पानी को सबसे पहले एरेशन प्रक्रिया से गुजारना बेहद जरूरी है, जिससे पानी को हवा के संपर्क में लाकर उसकी हानिकारक गैसों और दुर्गंध को दूर किया जा सके. इसके साथ ही पानी के खराब स्वाद और बदबू को पूरी तरह खत्म करने के लिए एक्टिवेटेड कार्बन फिल्टर का होना बेहद आवश्यक है, लेकिन कृष्णा कंपनी द्वारा इस दिशा में कोई काम नहीं किया जा रहा है.

5 साल के लिए ?6.87 करोड़ का ठेका लेकिन मात्र 9 महीनों में ही ऐसी बदहाल वाटर फ़िल्टर प्लांट कृष्णा कंट्रक्शन ठेका कंपनी की इस लापरवाही पर प्रशासन मौन.

अकुशल हाथों में कम्पनी का काम

फिल्ट्रेशन की यह पूरी वैज्ञानिक प्रक्रिया तभी प्रभावी ढंग से काम करती है जब इन सैंड फिल्टरों की नियमित रूप से बैकवाशिंग, यानी उल्टी धार से धुलाई की जाए ताकि उनमें फंसी गंदगी पूरी तरह साफ हो सके. लापरवाही का आलम यह है कि नियमों को ताक पर रखकर काम किया जा रहा है. इसके अलावा, फ़िल्टर प्लांट में हर घंटे पानी के पीएच स्तर, टर्बिडिटी (मटमैलापन) और क्लोरीन की बची हुई मात्रा की बारीकी से जांच करने के लिए चौबीसों घंटे कुशल केमिस्ट की उपस्थिति अनिवार्य है, लेकिन जमीनी स्तर पर इन मानकों की घोर अनदेखी की जा रही है जनता अब सीधे तौर पर नगर निगम के जिम्मेदार अधिकारियों और ठेका कंपनी की मिलीभगत पर सवाल उठा रही है कि आखिर करोड़ों रुपये फूंकने के बाद भी उन्हें जहरनुमा पानी पीने को क्यों मजबूर होना पड़ रहा है.

सड़क की कमी बनी काल, रास्ते में ही हुई महिला की मौत

खाट पर लिटाकर कीचड़ भरे रास्ते से ले जाना पड़ा

नवभारत न्यूज

रीवा, 6 जुलाई, ग्रामीण विकास के लिये सरकार पानी की तरह पैसा भले ही बहाती है लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि कई ग्राम पंचायतों में सड़क तक नही है और बरसात में मरीजो को अस्पताल तक पहुंचाने के लिये खाट का उपयोग करना पड़ता है, क्योंकि घर तक वाहन नही जा सकते.

रास्ता न होने के कारण समय पर एक आदिवासी महिला को उपचार के लिये अस्पताल नही पहुंचाया जा सका, जिससे मौत हो गई. रीवा जिले के मनगवां विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत नदना डिहिया में सड़क नहीं होने के कारण एक आदिवासी महिला को समय पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जा सका. आकाशीय बिजली गिरने के बाद परिजनों ने उन्हें करीब दो किलो मीटर तक खाट पर उठाकर कच्चे और कीचड़ भरे रास्ते से बाहर निकाला, जिसके बाद अस्पताल पहुंचने में हुई देरी के दौरान उनकी मौत हो गई. घटना रविवार शाम की है. जिसका वीडियो भी सामने आया है.

मृतका रामकली रावत निवासी ग्राम पंचायत नदना डिहिया की है. सामने आए वीडियो में ग्रामीण महिला को खाट पर उठाकर कीचड़ भरे रास्ते से ले जाते दिखाई दे रहे हैं. घटना के बाद गांव की सड़क व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं. स्थानीय लोगों का दावा है कि ग्राम पंचायत में सड़क निर्माण के लिए विधायक निधि से 5 लाख रुपये स्वीकृत किए गए थे, लेकिन अब तक सड़क नही बनी. ग्रामीणों का कहना है कि सड़क निर्माण और मूलभूत सुविधाओं को लेकर पहले भी कई बार शिकायत की गई, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ. अब महिला की मौत के बाद ग्रामीण पूरे मामले की जांच और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे हैं. फिलहाल, इस मामले में जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की ओर से कोई बयान सामने नहीं आया है.

राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर आज मैहर आएंगी

मैहर 06 जुलाई. मध्यप्रदेश शासन की

पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमंतू और अर्ध घुमंतु कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर 7 जुलाई को प्रात: 5.38 बजे रेवांचल एक्सप्रेस से मैहर आयेंगी। निर्धारित कार्यक्रमानुसार राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर प्रात: 9 बजे मां शारदा देवी के दर्शन एवं पूजन करने के पश्चात स्थानीय कार्यक्रम में शामिल होंगी। राज्यमंत्री श्रीमती गौर इसी रात्रि 9.22 बजे रेवांचल एक्सप्रेस से भोपाल प्रस्थान करेंगी।

नहर में डूबे युवक का दूसरे दिन मिला शव

पुलिस ने शुरू की जांच

नवभारत न्यूज

सीधी, 6 जुलाई. जिले के चुरहट थाना क्षेत्र अंतर्गत यूपी कैनाल नहर में डूबे 19 वर्षीय युवक का शव घटना के दूसरे दिन मोहनिया टनल के पास बरामद होने से क्षेत्र में शोक का माहौल है।

पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार अभयलाल पाल 19 वर्ष पिता सत्यसेन पाल ग्राम बड़खरा निवासी 5 जुलाई को अपने साथी शिवम यादव के साथ जूड़ा नाला ममदर नहर की ओर गया था। दोपहर करीब 12 बजे सूचना मिली

कि अभयलाल नहर में डूब गया है। इसके बाद परिजन और ग्रामीण मौके पर पहुंचे तथा देर शाम तक उसकी तलाश करते रहे, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। सोमवार सुबह करीब 4 बजे सूचना मिली कि मोहनिया टनल के पास सिद्ध बाबा मंदिर से लगी यूपी कैनाल नहर, खोहरा मोहनिया के समीप एक युवक का शव पानी में तैरता दिखाई दे रहा है। सूचना मिलते ही परिजन मौके पर पहुंचे और शव की पहचान अभयलाल पाल के रूप में की। बाद में शव को नहर से बाहर निकालकर पुलिस को सूचना दी गई। सूचना पर चुरहट थाना पुलिस मौके पर पहुंची और पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस ने मर्ग क्रमांक 38/26 धारा 194 बीएनएसएस के तहत मामला दर्ज कर जांच प्रारंभ कर दी है। प्रारंभिक जांच में युवक की मौत नहर में डूबने से होना प्रतीत हो रही है। हालांकि पुलिस सभी पहलुओं की जांच कर रही है। घटना के बाद मृतक के परिवार में मातम पसरा हुआ है।

रास्ता बंद, खाट बनी सहारा, करंट से झुलसी महिला को ग्रामीणों ने ढोया

एंबुलेंस नहीं पहुंच सकी, ग्रामीणों ने बंद रास्ता तत्काल खोलने की मांग उठाई

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 6 जुलाई। जिले के सरई वन परिक्षेत्र अंतर्गत गन्नई बीट के महरैल जंगल में वन विभाग द्वारा रास्ता बंद किए जाने का मामला एक बार फिर चर्चा में है।

सोमवार को करंट की चपेट में आने से घायल हुई महिला को एंबुलेंस और अन्य वाहन गांव तक नहीं पहुंच पाने के कारण ग्रामीणों को खाट और बांस-बल्लियों के सहारे करीब दो किलोमीटर तक पैदल ले जाना पड़ा। इसके बाद महिला को वाहन के जरिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सरई पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार जारी है। जानकारी के अनुसार

महरैल निवासी 38 वर्षीय मुन्नी प्रजापति पति लक्ष्मी प्रजापति करंट की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल हो गईं।

घटना की सूचना मिलते ही परिजन और ग्रामीण मदद के लिए पहुंचे, लेकिन गांव तक पहुंचने वाला रास्ता बंद होने के कारण एंबुलेंस घटनास्थल तक नहीं पहुंच सकी। मजबूरन ग्रामीणों ने खाट तैयार कर घायल महिला को बांस-बल्लियों के सहारे करीब दो किलोमीटर तक पैदल ढोया और मुख्य मार्ग तक पहुंचाया। वहां से वाहन के माध्यम से उन्हें अस्पताल ले जाया गया। ग्रामीणों का आरोप है कि कई दशकों से उपयोग में रहा हन्ना ढोल मार्ग वन विभाग ने जाली लगाकर बंद कर दिया है। इसके चलते गांव में एंबुलेंस, डायल-112, अग्निशमन वाहन सहित कोई भी निजी वाहन नहीं पहुंच पा रहा है। उनका कहना है कि तीन माह पहले भी ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की थी कि कम से कम आपातकालीन सेवाओं के लिए रास्ता खोला जाए, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई।

वन विभाग को लेकर नाराजगी

ग्रामीणों का यह भी कहना है कि रास्ता बंद होने से स्कूली बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को रोजाना भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बरसात शुरू होने के बाद स्थिति और गंभीर हो गई है। यदि भविष्य में कोई बड़ी दुर्घटना या चिकित्सकीय आपात स्थिति उत्पन्न होती है तो समय पर राहत पहुंचाना मुश्किल हो जाएगा। घटना के बाद स्थानीय लोगों में वन विभाग के प्रति नाराजगी बढ़ गई है। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जनहित को देखते हुए बंद रास्ते को तत्काल खोला जाए, ताकि गांव तक एंबुलेंस सहित अन्य आवश्यक सेवाएं आसानी से पहुंच सके और भविष्य में किसी भी आपात स्थिति में लोगों की जान जोखिम में न पड़े।

बाइक चोर गैंग का सरगना गिरफ्तार, 5 बाइकें बरामद

नवभारत न्यूज

रीवा, 6 जुलाई, रीवा की सिरमौर थाना पुलिस ने अंतरराज्यीय बाइक चोर गैंग के एक सरगना को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने पकड़े गए आरोपों के कब्जे से चोरी की एक या दो नहीं बल्कि 5 बाइके बरामद की है. पुलिस के खुलासे में सबसे खास और अहम बात यह है कि बरामद हुई ज्यादातर बाइके उत्तर प्रदेश से चोरी कर रीवा लाई गई थी.

फिलहाल पुलिस ने अंतरराज्यीय बाइक चोर गैंग के मुख्य सरगना रीवा के

सिरमौर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कोचरी निवासी ओझा कॉल को गिरफ्तार कर लिया है. जबकि यूपी से बाइक चोरी कर रीवा लाने वाले एक अन्य आरोपी की तलाश की जा रही है. दरअसल यह खुलासा आज सिरमौर थाना प्रभारी दीपक तिवारी ने किया है. थाना प्रभारी ने जानकारी देते हुए बताया कि मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम कोचरी निवासी ओझा कोल के पास चोरी की बाइक है. सूचना की तस्दीक करने जब संदेही को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसके कब्जे से चोरी की पांच बाइके बरामद की गई जिसकी अनुमानित कीमत 5 लाख आंकी गई है. पुलिस की पूछताछ में आरोपी ने बताया की चोरी की बाइके उसके एक अन्य साथी द्वारा यूपी से चोरी कर रीवा लाई जाती थी. फिलहाल पुलिस अब आरोपी के दूसरे साथी की पता तलाश शुरू कर दी है.

दो शातिर बाइक चोर गिरफ्तार,स्प्लेंडर बरामद

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 6 जुलाई। बैढ़न कोतवाली पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद की है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दिया है।

पुलिस के अनुसार मामला कोतवाली बैढ़न थाना क्षेत्र का है।

फरियादी जयप्रसाद खरे ने 22 जून को शिकायत दर्ज कराई थी कि कॉलेज मोहल्ला बैढ़न स्थित उनके घर के बाहर खड़ी हीरो स्प्लेंडर क्रमांक यूपी 64 आर 6301 अज्ञात बदमाश चोरी कर ले गए। शिकायत के आधार पर पुलिस ने बीएनएस की धारा 303(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जहां गठित टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और सीसीटीव्ही फुटेज के आधार पर संदिग्धों की पहचान की। पूछतांछ में ग्राम बनौली निवासी दीपक उर्फ भूरा वर्मा उम्र 19 वर्ष तथा बैढ़न निवासी शिवम उर्फ छोटे सोनकर उम्र 19 वर्ष ने मोटरसाइकिल चोरी की वारदात स्वीकार कर ली। पुलिस ने दोनों आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिल बरामद कर ली। इसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक अशोक सिंह परिहार के नेतृत्व में उनि सज्जन सिंह, प्रआर रवि सिंह, आर अजीत सिंह परिहार, अंकित सिंह चौहान, बृजेंद्र धाकड़ एवं रिंकू धाकड़ की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

लापता छात्रा का मिला कंकाल

एसपी ने किया घटनास्थल का निरीक्षण

नवभारत न्यूज

सीधी, 6 जुलाई. चुरहट थाना क्षेत्र के मवई गांव की एक सप्ताह से लापता छात्रा के मामले में कंकाल मिलने की सूचना से पूरे क्षेत्र में सनसनी फैल गई है।

हालांकि पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अभी यह पुष्टि नहीं हुई है कि बरामद कंकाल उसी छात्रा का है। मामले की सच्चाई फोरेंसिक एवं डीएनए जांच रिपोर्ट आने के बाद ही सामने आएगी। परिजनों द्वारा निष्पक्ष जांच की मांग उठाए जाने के बाद जिला पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। इसके बाद चुरहट थाने में पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि पुलिस मामले के हर पहलू की गंभीरता से जांच कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर निष्पक्ष विवेचना की जाएगी और जल्द ही घटना से जुड़े तथ्य तथा

दोषियों का चेहरा सामने होगा।पुलिस के अनुसार बरामद कंकाल की पहचान अभी सुनिश्चित नहीं हुई है। इसकी पुष्टि फोरेंसिक जांच, डीएनए परीक्षण, मोबाइल लोकेशन और कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) के विश्लेषण के बाद ही हो सकेगी। इसी कारण वैज्ञानिक जांच की आवश्यकता को देखते हुए कंकाल का अंतिम संस्कार नहीं किया गया, बल्कि उसे दफनाया गया है, ताकि जरूरत पड़ने पर आगे भी परीक्षण कराया जा सके। फिलहाल पुलिस जांच जारी है और मामले का अंतिम निष्कर्ष फोरेंसिक एवं डीएनए रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट होगा।

पुलिस की हर कड़ी पर नजर : रीता

चुरहट थाना प्रभारी रीता त्रिपाठी ने बताया कि छात्रा के लापता होने के दिन से ही पुलिस उसकी गतिविधियों की हर कड़ी पर नजर बनाए हुए है। पुलिस ने अपने मुखबिर तंत्र और तकनीकी टीम को सक्रिय किया है तथा मामले के जल्द खुलासे की उम्मीद जताई है।

ढाबे में खाना नहीं मिलने पर कर्मचारियों पर टूटा कहर, 3 गंभीर

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 6 जुलाई। जिले के बरगवां थाना क्षेत्र अंतर्गत ओड़गड़ी स्थित मधुबन ढाबा में सोमवार तड़के करीब 4 बजे हुई हिंसक मारपीट की घटना ने पूरे क्षेत्र में सनसनी फैला दी।

आरोप है कि बरगवां शराब दुकान से जुड़े 7-8 लोग देर रात ढाबे पर खाना खाने पहुंचे, लेकिन ढाबा बंद होने के कारण कर्मचारियों ने भोजन उपलब्ध कराने में असमर्थता जताई। इसी बात को लेकर शुरू हुआ विवाद

कुछ ही देर में हिंसक रूप ले बैठा और आरोपियों ने ढाबा कर्मचारियों पर हमला कर दिया। पीड़ित पक्ष के अनुसार आरोपियों ने कर्मचारियों के साथ लाठी-डंडों, बेल्ट तथा हाथ-मुक्कों से बेरहमी से मारपीट की। अचानक हुए हमले से ढाबे में अफरा-तफरी मच गई। कर्मचारियों ने जान बचाने का प्रयास किया, लेकिन हमलावरों ने उन्हें दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। घटना में तीन कर्मचारी गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें स्थानीय लोगों की मदद से तत्काल ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया। चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। घटना की सूचना मिलते ही बरगवां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने घायलों के बयान दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है तथा घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीव्ही कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आरोपियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। घटना के बाद ढाबा संचालकों एवं स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है। उनका आरोप है कि शराब दुकान से जुड़े कुछ लोगों द्वारा अक्सर देर रात दबंगई की जाती है और विरोध करने पर मारपीट की जाती है। इस घटना ने एक बार फिर कानून-व्यवस्था और देर रात शराब के नशे में होने वाली घटनाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

नए तहसीलदार ने सम्भाला पदभार

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 6 जुलाई। तहसील माड़ा में तहसीलदार के रूप में अमित मिश्रा ने आज दिन सोमवार को पदभार ग्रहण किया। माड़ा पहुंचने पर राजस्व स्टाफ से परिचय जाना।

श्री मिश्रा ने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित निराकरण और शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना उनकी प्रथम प्राथमिकता रहेगी। श्री मिश्रा ने तहसील कार्यालय का निरीक्षण किया और लंबित प्रकरणों की जानकारी

ली। तहसीलदार श्री मिश्रा ने कहा कि आम जनता की राजस्व संबंधी समस्याओं का समय-सीमा में निराकरण, सीमांकन, नामांतरण, बटंवारा जैसे कार्यों में पारदर्शिता और सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों का संतुष्टिपूर्वक समाधान उनकी प्रमुख प्राथमिकता रहेगी।

कोयला परिवहन की चपेट में महिला की मौत, ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 6 जुलाई। माड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत रैला स्थित कुड़िया नदी के पास सोमवार को कोयला परिवहन के दौरान हुए एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक महिला की मौत हो गई।

घटना के बाद पूरे क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। हादसे से आक्रोशित ग्रामीण बड़ी संख्या में घटनास्थल पर एकत्र हो गए और सड़क पर चक्काजाम कर दिया। ग्रामीणों ने कोयला परिवहन व्यवस्था को इस दुर्घटना के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई, मृतका के परिजनों को उचित मुआवजा तथा सुरक्षित परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित करने की मांग की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना के बाद महिला पार्वती शाह पति नेतलाल शाह उम्र 40 वर्ष निवासी चौरा की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की खबर फैलते ही आसपास के गांवों के

लोग बड़ी संख्या में मौके पर पहुंच गए। देखते ही देखते स्थिति तनावपूर्ण हो गई और ग्रामीणों ने सड़क पर बैठकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। चक्काजाम के कारण मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया। घटना की सूचना मिलते ही माड़ा थाना पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया। पुलिस अधिकारियों ने प्रदर्शन कर रहे ग्रामीणों से शांतिपूर्ण ढंग से बातचीत कर उन्हें समझाने का प्रयास किया।

मुआवजे पर अड़े रहे परिजन

प्रदर्शन कर रहे लोगों ने मृतका के आश्रित परिवार को आर्थिक सहायता, सरकारी योजना के तहत मुआवजा, परिवार के एक सदस्य को रोजगार तथा कोयला परिवहन के लिए सुरक्षित और नियंत्रित व्यवस्था लागू करने की मांग की। ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि जब तक उनकी मांगों पर ठोस निर्णय नहीं लिया जाएगा, तब तक आंदोलन जारी रखने पर विचार किया जाएगा। समाचार लिखे जाने तक प्रशासन और ग्रामीणों के बीच वार्ता जारी थी। मौके पर पुलिस बल तैनात रहा और अधिकारियों द्वारा हालात पर लगातार नजर रखी जा रही थी।

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा.लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक, प्रकाशक आशीष श्रोती द्वारा प्लाट नं.34, इंडस्ट्रियल एरिया, सतना से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , इंडस्ट्रियल एरिया से मुद्रित . संपादक- संजय पयासी * फोन- 250587, फैक्स- 224642 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत जिम्मेदार RNI Reg. No. 72181/99